दो लाख गरीब बच्चों के जीवन में होगा उजाला

16 जून को किया जाएगा योजना का शुभारंभ

कौशल किशोर चतुर्वेदी, भोपाल

bureau.bhopal@patrika.com

प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले गरीब आदिवासी बच्चों की पढ़ाई बिजली की कमी के चलते प्रभावित नहीं होगी। स्कूल शिक्षा विभाग मप्र के दो लाख बच्चों के जीवन में उजाला लाने के लिए 'वन चाइल्ड, वन लाइट' योजना के तहत सोलर स्टडी लैम्प वितरित करेगा। आईआईटी मुंबई के माध्यम से क्रियान्वित होने वाली इस योजना का शुभारंभ 16 जून को 'स्कूल चलें हम' अभियान के दूसरे चरण के शुभारंभ के दौरान किया जाएगा।

मध्यप्रदेश के हैं चेतन सोलंकी

इस योजना से जुड़े चेतन सोलंकी आईआईटी मुंबई में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। मध्यप्रदेश के खरगौन जिले के नेमिट गांव में पढ़े-बढ़े सोलंकी ने बताया कि योजना का उद्देश्य बच्चों को 'राइट टू लाइट' दिलाना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ाई-लिखाई की बेहतर सुविधा हो सके।

बच्चों को सोलर पैनल के साथ एलईडी लाइट युक्त सोलर लैंप वितरित किए जाएंगे। योजना के तहत राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्यप्रदेश में दस लाख सोलर लैम्प दिया जाना है।

मप्र में प्रथम चरण में दो लाख बच्चों के बाद योजना का विस्तार किया जा सकता है। लैम्प की लागत की लगभग पच्चीस फीसदी राशि छात्रों से ली जाएगी। बाकी राशि केंद्र व राज्य सरकार वहन करेगी। प्रदेश सरकार ने चार करोड़ रुपए की राशि आईआईटी मुंबई को दे दी है।

स्थानीय स्तर पर मॉनिटरिंग के लिए एनजीओ को शामिल किया जा सकता है। योजना का क्रियान्वयन राज्य ऊर्जा विकास निगम के माध्यम से किया जाएगा।

किसका कितना हिस्सा

एक लैम्प की कीमत पांच सौ रुपया होगी। इसमें से 200 रुपए प्रति लैप का योगदान प्रदेश सरकार करेगी। केंद्र सरकार 180 रुपए अंशदान देगी। बाकी बचे 120 रुपए छात्र से लिए जाएंगे।

स्कूली बच्चों को सोलर लैम्प देने की शुरुआत 16 जून से स्कूल चलें हम अभियान के साथ की जाएगी। आईआईटी मुंबई के जरिए क्रियान्वित होने वाली योजना का लाभ दो लाख बच्चों को मिलेगा।

एसआर मोहंती, एसीएस स्कूल शिक्षा विभाग व एमडी ऊर्जा विकास निगम